

नई पीढ़ी के कारोबारी नेतृत्व में देश के टॉप राज्यों में अब अपना यूपी भी

2026 एएसके प्राइवेट वेल्थ हुरुन इंडिया सर्वेसर्स 50 रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश की मौजूदगी

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। देश में पारिवारिक कारोबार संभाल रही नई पीढ़ी के उद्योगपतियों पर जारी '2026 एएसके प्राइवेट वेल्थ हुरुन इंडिया सर्वेसर्स 50' रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश ने मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इसके अनुसार, उत्तर प्रदेश देश के उन शीर्ष राज्यों में शामिल है जहां अगली पीढ़ी के कारोबारी नेतृत्व वाली सबसे अधिक कंपनियां मौजूद हैं। राज्य पांच बड़ी कंपनियों के साथ देश में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहा। इन कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 2.89 लाख करोड़ रुपये आंका गया है, जो तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से अधिक है।

रिपोर्ट के मुताबिक, टॉप-5 में शामिल राज्य महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल हैं। उत्तर प्रदेश के साथ चौथे स्थान पर रहने वाले अन्य राज्यों में तमिलनाडु, कर्नाटक और पं. बंगाल के नाम हैं। उत्तर प्रदेश की कंपनियों में प्रमुख रूप से जेके सीमेंट, सैमवर्धना मंदरसन इंटरनेशनल, आईनॉक्सजीएफएल ग्रुप, त्रिवेणी टर्बाइन और बलरामपुर चीनी मिल्स शामिल हैं। इन कंपनियों का नेतृत्व नई पीढ़ी के कारोबारी



नोएडा उभरता कॉरपोरेट हब

शहरों की रैंकिंग में नोएडा देश का छठा सबसे बड़ा अगली पीढ़ी का कारोबारी केंद्र बनकर उभरा। नोएडा में चार कंपनियों का मुख्यालय है, जिनका संयुक्त बाजार पूंजीकरण 2.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यहां सैमवर्धना मंदरसन इंटरनेशनल, आईनॉक्सजीएफएल ग्रुप और त्रिवेणी टर्बाइन जैसी कंपनियां शामिल हैं। रिपोर्ट बताती है कि नोएडा अब पारंपरिक कारोबारी शहरों के मुकाबले तेजी से उभरता विनिर्माण और औद्योगिक केंद्र बन रहा है।

बीच कई गुना मूल्य वृद्धि दर्ज की है।

रिपोर्ट में प्रदेश से जुड़े कई युवा उद्योगपतियों को विशेष स्थान मिला है। आईनॉक्सजीएफएल ग्रुप के देवांश जैन ने 20.5 गुना वृद्धि दर्ज की, जबकि केईआई इंडस्ट्रीज के अक्षित दिविज गुप्ता ने 18.9 गुना मार्केट कैप वृद्धि हासिल की। बलरामपुर चीनी

रोजगार और उद्योग विस्तार में आगे

प्रदेश से जुड़ी कंपनियां बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित कर रही हैं। सैमवर्धना मंदरसन इंटरनेशनल अकेले 1.27 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रही है और यह रिपोर्ट की सबसे बड़ी रोजगार देने वाली कंपनियों में शामिल है। वहीं त्रिवेणी टर्बाइन और जेके सीमेंट जैसी कंपनियां पूंजी दक्षता और निर्यात वृद्धि के मामले में भी बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं।

निर्माण-विनिर्माण क्षेत्र बना ताकत

हुरुन इंडिया के चीफ डाटा एनालिस्ट अनस रहमान जुनैद के मुताबिक नई पीढ़ी की 74 फीसदी कंपनियां विनिर्माण और वास्तविक उत्पाद आधारित उद्योगों से जुड़ी हैं। उत्तर प्रदेश की कंपनियों की मजबूत मौजूदगी इस बात का संकेत है कि राज्य अब केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि मैन्युफैक्चरिंग और औद्योगिक निवेश का बड़ा केंद्र बन रहा है। राज्य में एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर, डाटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में हो रहे निवेश का असर अब कॉरपोरेट वैल्यूएशन में भी दिखाई देने लगा है।

युवा महिला कारोबारी उत्तराधिकारियों में शामिल किया गया है। जेके सीमेंट की कमान राघवपत सिंघानिया और माधवकृष्ण सिंघानिया के हाथों में है। जेके सीमेंट की मार्केट कैप करीब 433 अरब रुपये हो चुकी है जिसने सालाना 10.8 फीसदी की दर से तेज वृद्धि की है। अन्य कंपनियों की युवा पीढ़ी ने भी कारोबार को तेज